रामधारी सिंह "दिनकर"

स्वतंत्रता पूर्व के विद्रोही कवि रामधरी सिंह "दिनकर" आजादी के बाद राष्ट्रकवि के नाम से प्रसिद्ध हुए | उनकी कविताओं में ही नहीं, बल्कि उनके निबंधें में भी राष्ट्र-चिंतन की झलक मिलती है | 23 सितम्बर, 1908 को सिमरिया ग्राम, मुंगेर, बिहार में जन्मे दिनकर छायावादोत्तर-कवियों की पहली पीढ़ी में से एक थे | मैट्रिक के बाद 1928 में दिनकर पटना आ गए और इतिहास में ऑनर्स के साथ 1932 में बी.ए. किया | अगले ही वर्ष एक नए खुले स्कूल में प्रधानाध्यापक नियुक्त हुए | वर्ष 1934 में उन्होंने बिहार सरकार के अधीन सब-रजिस्ट्रार के पद पर कार्य किया | वर्ष 1947 में वे बिहार सरकार में प्रचार विभाग के उपनिदेशक और वर्ष 1950 में मुजफ्फरपुर कॉलेज में हिंदी विभागाध्यक्ष हुए | वर्ष 1952 में वे राज्य सभा के सदस्य बने | वे 12 वर्षों तक सांसद रहे | फिर वे भागलपुर विश्वविद्यालय के उपकुलपति बने | वे भारत सरकार के हिंदी सलाहकार भी रहे |

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के अनुसार, दिनकर जी गैर-हिंदी भाषियों के बीच हिंदी के सभी कवियों में सबसे अधिक लोकप्रिय थे और अपनी मातृभाषा से प्रेम करने वालों के प्रतीक थे| हरिवंशराय बच्चन ने एकबार दिनकर जी के बारे में कहा था कि उन्हें एक नहीं, चार ज्ञानपीठ पुरस्कार दिया जाना चाहिए | उन्होंने कहा कि उन्हें गद्य, पद्य भाषा और हिंदी भाषा की सेवा के लिए अलग-अलग ज्ञानपीठ पुरस्कार दिया जाना चाहिए |

पुरस्कार एवं सम्मान - कुरुक्षेत्र पर साहित्यकार संसद (इलाहाबाद) पुरस्कार (1948), नागरी प्रचारिणी सभा का द्विवेदी पदक (दो बार), उर्वशी पर उत्तर प्रदेश सरकार का पुरस्कार, नागरी प्रचारिणी सभा का रत्नाकर पुरस्कार, बलदेव दास पदक, संस्कृति के चार अध्याय पर साहित्य अकादेमी पुरस्कार (1960), पद्मभूषण (1959), काव्य नाटक उर्वशी पर ज्ञानपीठ पुरस्कार | वर्ष 1972 में उर्वशी पर भारतीय ज्ञानपीठ सम्मान |

दिनकर की रचनाएं -

आलोचनात्मक ग्रंथ - मिट्टी की ओर, पंत-प्रसाद और मैथिलीशरण, काव्य की भूमिका,

सांस्कृतिक ग्रंथ - संस्कृति के चार अध्याय, हमारी सांस्कृतिक एकता, भारतीय एकता, राष्ट्रभाषा तथा राष्ट्रीय एकता |

निबंध साहित्य - अर्धनारीश्वर, वट पीपल, साहित्य मुखी, राष्ट्र भाषा आंदोलन और गांधी जी, विवाह की मुसीबतें, आधुनिक बोध |

यात्रा साहित्य - देश विदेश, मेरी यात्राएं |

डायरी साहित्य - दिनकर की डायरी |

कथा और गद्य काव्य - उजली आग |

24 अप्रैल, 1974 को उनका देहांत हुआ |